



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 31 मार्च, 2026

जारी करने का समय: 1400 घंटे

विषय: (i) दो सक्रिय पश्चिमी विक्षोभों के प्रभाव से, इस सप्ताह उत्तर-पश्चिम भारत में बारिश जारी रहने की संभावना है, जिसकी चरम गतिविधि 3 और 4 अप्रैल, 2026 को होगी। जम्मू-कश्मीर में 3 अप्रैल और हिमाचल प्रदेश में 3 और 4 अप्रैल को छिटपुट ओलावृष्टि की भी संभावना है।

(ii) देश के मध्य भागों में 6 अप्रैल तक तीव्र गरज और बिजली गिरने की संभावना है, साथ ही 2 अप्रैल, 2026 तक छिटपुट ओलावृष्टि की भी संभावना है।

(iii) इस सप्ताह उत्तर-पूर्व और उससे सटे पूर्वी भारत में छिटपुट से लेकर व्यापक वर्षा, गरज/बिजली और तेज हवाओं की संभावना है, साथ ही 31 मार्च और 1 अप्रैल, 2026 को उत्तर-पूर्व भारत में छिटपुट भारी वर्षा की संभावना है।

(iv) उत्तर-पश्चिम भारत के कई हिस्सों में 6 अप्रैल, 2026 तक दिन का तापमान सामान्य से कम रहने की संभावना है।

आज, 31 मार्च, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ जम्मू-कश्मीर, मेघालय और त्रिपुरा में छिटपुट स्थानों पर भारी वर्षा (7-11 सेमी) दर्ज की गई है।
- ❖ जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में छिटपुट स्थानों पर ओलावृष्टि की सूचना मिली है।
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश, ओडिशा, छत्तीसगढ़, तमिलनाडु, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, मराठवाड़ा, जम्मू-कश्मीर, मध्य महाराष्ट्र और झारखंड में छिटपुट स्थानों पर 50-80 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक हुई, जबकि सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पंजाब, उत्तराखंड, पूर्वी मध्य प्रदेश और हरियाणा में छिटपुट स्थानों पर 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ विदर्भ, तेलंगाना, छत्तीसगढ़, रायलसीमा, पूर्वी मध्य प्रदेश और तटीय आंध्र प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम दैनिक तापमान 36°C से 41°C के बीच रहा; मराठवाड़ा, आंतरिक ओडिशा, झारखंड और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के कई स्थानों पर भी यही स्थिति रही; गुजरात, पश्चिमी मध्य प्रदेश, दक्षिणपूर्वी उत्तर प्रदेश, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, मध्य महाराष्ट्र, तमिलनाडु, केरल और तटीय महाराष्ट्र के कुछ स्थानों पर भी यही स्थिति रही; उत्तर प्रदेश और गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल के शेष स्थानों पर अधिकतम तापमान 32°C से 36°C के बीच रहा; बिहार, पंजाब, हरियाणा-दिल्ली के कुछ स्थानों पर भी यही स्थिति रही और भारत के शेष भागों में तापमान 32°C से नीचे रहा। कल, ओडिशा के टिटलागढ़ में अधिकतम तापमान 41.8°C दर्ज किया गया।
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश में अधिकतम दैनिक तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा। दिल्ली, उत्तर प्रदेश, दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश, विदर्भ, बिहार, छत्तीसगढ़, ओडिशा, रायलसीमा और केरल में तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहा; जम्मू-कश्मीर, पश्चिमी राजस्थान, सौराष्ट्र और कच्छ में तापमान सामान्य से काफी कम (-

5.0°C से -3.1°C) रहा; हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, असम और मेघालय में तापमान सामान्य से कम (-3.0°C से -1.6°C) रहा और देश के बाकी हिस्सों में तापमान सामान्य के आसपास रहा।

- ❖ जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, पंजाब, हरियाणा, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, असम, मेघालय और मिजोरम में न्यूनतम/रात्रि का तापमान 12-18°C के बीच रहा। देश के मैदानी इलाकों के शेष भागों में यह 18-25°C के बीच था। **आज भारत के मैदानी इलाकों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 15.0°C अमृतसर (पंजाब) में दर्ज किया गया।**
- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश, बिहार और पूर्वी मध्य प्रदेश में न्यूनतम/रात्रि का तापमान सामान्य से काफी अधिक (5.1°C या उससे अधिक) रहा; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, गुजरात क्षेत्र और दक्षिण-पश्चिम मध्य प्रदेश में यह सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, राजस्थान, सौराष्ट्र और कच्छ, तटीय महाराष्ट्र, मध्य महाराष्ट्र, ओडिशा, झारखंड, असम और मेघालय, रायलसीमा में सामान्य से ऊपर (1.6°C से 3.0°C); गंगीय पश्चिम बंगाल, मराठवाड़ा, विदर्भ, तेलंगाना, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में सामान्य से नीचे (-3.0°C से -1.6°C) और देश के बाकी हिस्सों में सामान्य के करीब रहा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- ❖ पश्चिमी विक्षोभ अब उत्तरी पाकिस्तान और उससे सटे जम्मू डिवीजन के ऊपर निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में एक चक्रवाती परिसंचरण के रूप में दिखाई दे रहा है, जिसके ऊपर मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों में लगभग 70° पूर्व देशांतर के अनुदिश, अक्षांश 26° उत्तर के उत्तर में एक गर्त (ट्रफ) स्थित है।
- ❖ एक चक्रवाती परिसंचरण दक्षिण-पश्चिम राजस्थान के ऊपर निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में स्थित है।
- ❖ एक चक्रवाती परिसंचरण पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपर स्थित है और एक पूर्व-पश्चिम गर्त इस चक्रवाती परिसंचरण से मणिपुर तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में फैली हुई है।
- ❖ एक गर्त/पवन विच्छिन्नता पूर्वी उत्तर प्रदेश के ऊपर स्थित चक्रवाती परिसंचरण से दक्षिण तमिलनाडु तक निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में फैली हुई है।
- ❖ एक चक्रवाती परिसंचरण तटीय आंध्र प्रदेश और उससे सटे तेलंगाना के ऊपर निचले क्षोभमंडलीय स्तरों में स्थित है।
- ❖ उत्तरपूर्वी असम के निचले क्षोभमंडल में एक चक्रवाती परिसंचरण मौजूद है।
- ❖ 2 अप्रैल, 2026 से उत्तर-पश्चिमी भारत में एक नए पश्चिमी विक्षोभ के आने की संभावना है।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- 31 मार्च को पश्चिमी हिमालय क्षेत्र में छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की हल्की से मध्यम वर्षा/बर्फबारी के साथ छिटपुट गरज, बिजली और तेज हवाएं (गति 30-50 किमी प्रति घंटा, 60 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है।
- 31 मार्च को पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी राजस्थान में तथा 31 मार्च और 1 अप्रैल को पूर्वी राजस्थान में छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की हल्की से मध्यम वर्षा के साथ गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-50 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है।
- 3 और 4 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद और हिमाचल प्रदेश में छिटपुट से लेकर काफी व्यापक स्तर पर हल्की से मध्यम वर्षा/बर्फबारी के साथ छिटपुट गरज, बिजली और तेज हवाएं (गति 40-50 किमी प्रति घंटा, 60 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है। उत्तराखंड में 3 से 6 अप्रैल के दौरान छिटपुट से मध्यम बारिश, छिटपुट गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-50 किमी प्रति घंटा से लेकर 60 किमी प्रति घंटा तक) चलने की संभावना है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश में 3 और 4 अप्रैल को, पश्चिमी राजस्थान में 2 से 4 अप्रैल और 6 अप्रैल को, पूर्वी राजस्थान में 3, 4 और 6 अप्रैल को यही स्थिति रहेगी।
- जम्मू-कश्मीर में 3 अप्रैल को और हिमाचल प्रदेश में 3 और 4 अप्रैल को छिटपुट ओलावृष्टि की भी संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय में 31 मार्च से 4 अप्रैल के दौरान; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 31 मार्च और 1 अप्रैल को गरज, बिजली और 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार वाली तेज हवाओं के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है।
- असम और मेघालय में 31 मार्च और 1 अप्रैल को, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 31 मार्च को और अरुणाचल प्रदेश में 1, 2, 5 और 6 अप्रैल को छिटपुट भारी बारिश होने की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- 31 मार्च से 2 अप्रैल के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में, 31 मार्च और 6 अप्रैल को बिहार में, 31 मार्च, 1 और 4 अप्रैल को झारखंड में, और 31 मार्च से 4 अप्रैल के दौरान ओडिशा में, गरज, बिजली और 40-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 60 किमी प्रति घंटे तक की तेज हवाओं के साथ छिटपुट से मध्यम वर्षा होने की संभावना है।
- 31 मार्च को ओडिशा और गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में गरज के साथ आंधी (50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से 70 किमी प्रति घंटे तक की तेज हवाएं) आने की संभावना है।
- 31 मार्च को ओडिशा, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और झारखंड में छिटपुट ओलावृष्टि होने की संभावना है।
- 31 मार्च को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में छिटपुट भारी वर्षा होने की संभावना है।
- 31 मार्च को उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम तथा गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में भी छिटपुट तीव्र बिजली गिरने की संभावना है।

मध्य भारत:

- अगले 5 दिनों के दौरान मध्य भारत में छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-50 किमी प्रति घंटा) की संभावना है।
- छत्तीसगढ़ में 31 मार्च से 2 अप्रैल तक और विदर्भ में 1 और 2 अप्रैल को ओलावृष्टि के साथ आंधी (50-60 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से हवाएं और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) आने की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- 31 मार्च और 2 तथा 3 अप्रैल को गुजरात क्षेत्र में छिटपुट से मध्यम हल्की से लेकर मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-50 किमी प्रति घंटा, 60 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) की संभावना है; साथ ही 31 मार्च से 3 अप्रैल के दौरान तटीय महाराष्ट्र में बिजली गिरने की संभावना है।
- 31 मार्च से 4 अप्रैल के दौरान मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में गरज के साथ आंधी (50-60 किमी प्रति घंटा, 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) की संभावना है।
- 31 मार्च से 2 अप्रैल के दौरान मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

दक्षिण प्रायद्वीपीय भारत:

- रायलसीमा में 31 मार्च और 4 अप्रैल को, आंतरिक कर्नाटक और तेलंगाना में 31 मार्च से 4 अप्रैल तक, केरल और माहे में 3 और 4 अप्रैल को, गरज, बिजली और तेज हवाओं (30-50 किमी प्रति घंटे से 60 किमी प्रति घंटे तक) के साथ छिटपुट हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना है। तमिलनाडु में 31 मार्च, 3 और 4 अप्रैल को, केरल और माहे में 31 मार्च से 2 अप्रैल तक और तटीय कर्नाटक में अगले 5 दिनों तक बिजली गिरने की संभावना है।
- केरल और माहे में 31 मार्च को छिटपुट भारी वर्षा होने की संभावना है।
- तेलंगाना में 31 मार्च और 1 अप्रैल तक छिटपुट ओलावृष्टि होने की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- उत्तर-पश्चिम भारत में 3 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में 2-4°C की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है, और फिर 4 से 6 अप्रैल के दौरान इसमें 2-4°C की क्रमिक गिरावट आएगी। हालांकि, 6 अप्रैल, 2026 तक तापमान सामान्य से कम रहेगा।
- मध्य प्रदेश में 1 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है, और 2 से 6 अप्रैल के दौरान इसमें 2-4°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- विदर्भ और छत्तीसगढ़ में 2 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में 2-4°C की क्रमिक गिरावट होने की संभावना है, और 3 से 6 अप्रैल के दौरान इसमें कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- पूर्वी भारत में अगले 24 घंटों के दौरान अधिकतम तापमान में 2-4°C की गिरावट होने की संभावना है, और 1 से 6 अप्रैल के दौरान इसमें 3-5 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि आएगी।
- गुजरात राज्य में 1 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है और 2 से 6 अप्रैल के दौरान इसमें 2-3°C की क्रमिक गिरावट आएगी।
- महाराष्ट्र में 4 अप्रैल तक अधिकतम तापमान में 2-4°C की क्रमिक गिरावट आने की संभावना है और 5 और 6 अप्रैल को इसमें कोई खास बदलाव नहीं होगा।
- देश के बाकी हिस्सों में अधिकतम तापमान में कोई खास बदलाव होने की संभावना नहीं है।

मछुआरों के लिए चेतावनी:

- मछुआरों को सलाह दी जाती है कि वे निम्नलिखित क्षेत्रों में न जाएं:
- बंगाल की खाड़ी: उत्तरी ओडिशा और पश्चिम बंगाल के तटों के साथ-साथ और दक्षिणपूर्वी बंगाल की खाड़ी के कुछ हिस्सों में न जाएं।
- अरब सागर: कोई चेतावनी नहीं।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 31 मार्च से 03 अप्रैल 2026 (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

कल सुबह 8:30 बजे से आज सुबह 8:30 बजे तक दर्ज की गई महत्वपूर्ण वर्षा (सेमी में):

- त्रिपुरा: कमालपुर (सीईडब्ल्यूसी) 9;
- मेघालय: भागमारा (जिला दक्षिण गारो हिल्स) 7;
- जम्मू-कश्मीर: बारामूला केवीके एडब्ल्यूएस (जिला बारामूला), पुंछ (जिला पुंछ) 7 प्रत्येक; नौगाम (जिला कुपवाड़ा) 6

पिछले 24 घंटों से (भारतीय समयानुसार सुबह 8:30 बजे तक) तेज हवाएं चल रही हैं (अधिकतम गति किमी प्रति घंटा में):

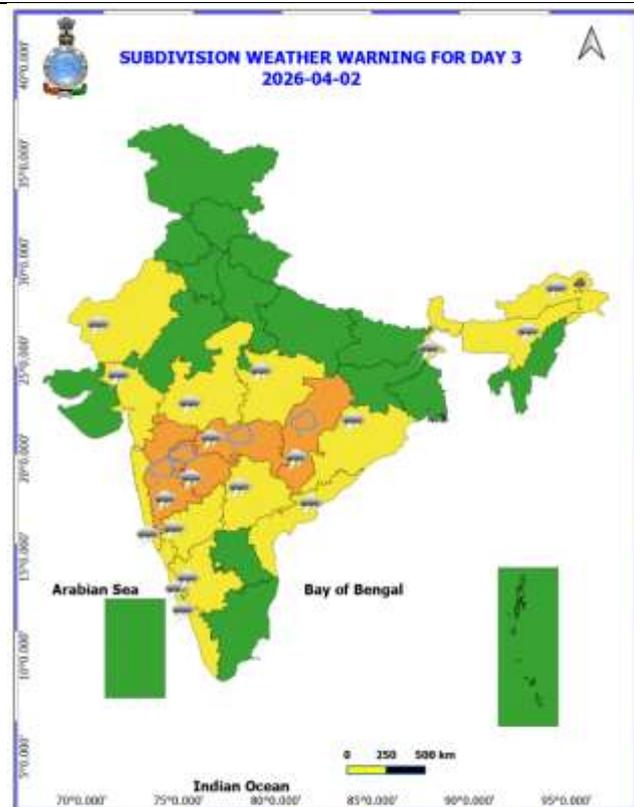
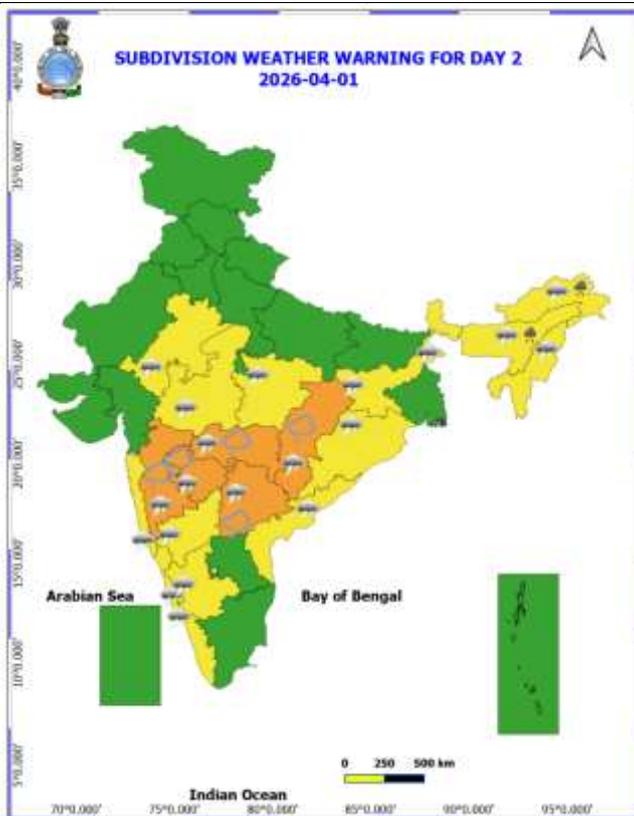
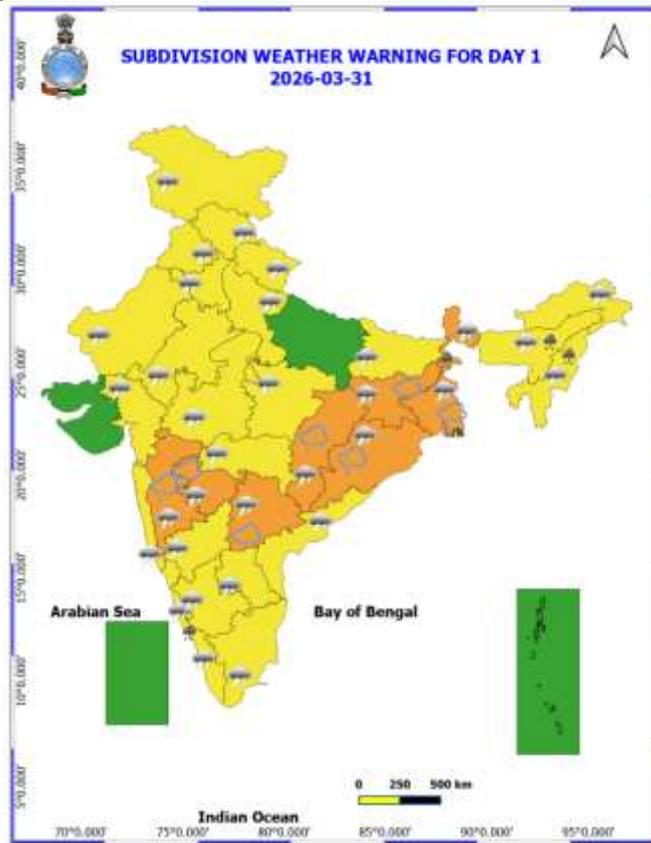
- झारखंड: सिमडेगा 78; पाकुड़ 44;
- मध्य महाराष्ट्र: जलगांव 78, शिवाजीनगर (पुणे) 63, नारायणगांव (पुणे) 57;
- जम्मू-कश्मीर: चट्ठा 65, जम्मू 46, गुलमर्ग 41, रियासी 35, सांबा 33;
- मराठवाड़ा: हिंगोली 63, उदगीर (लातूर) 50, लातूर 48;

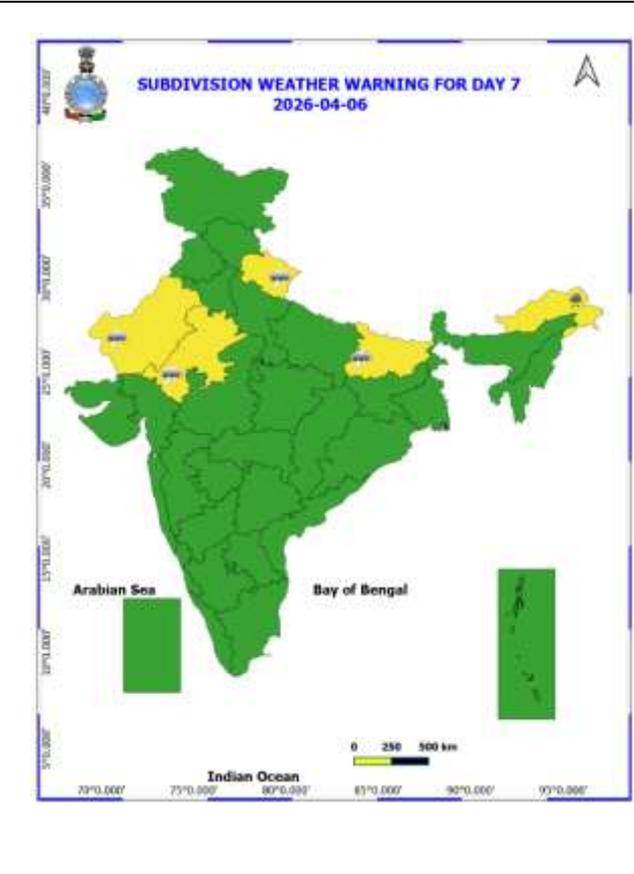
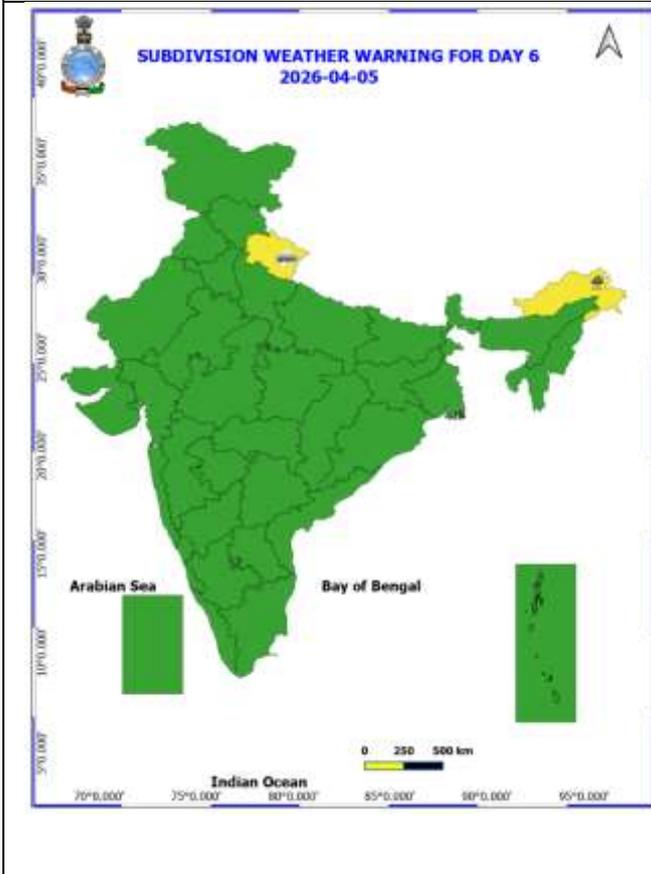
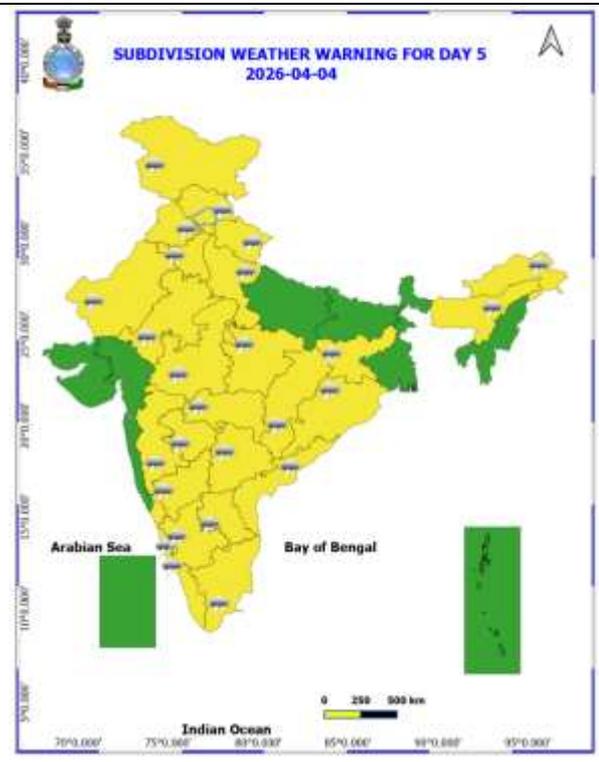
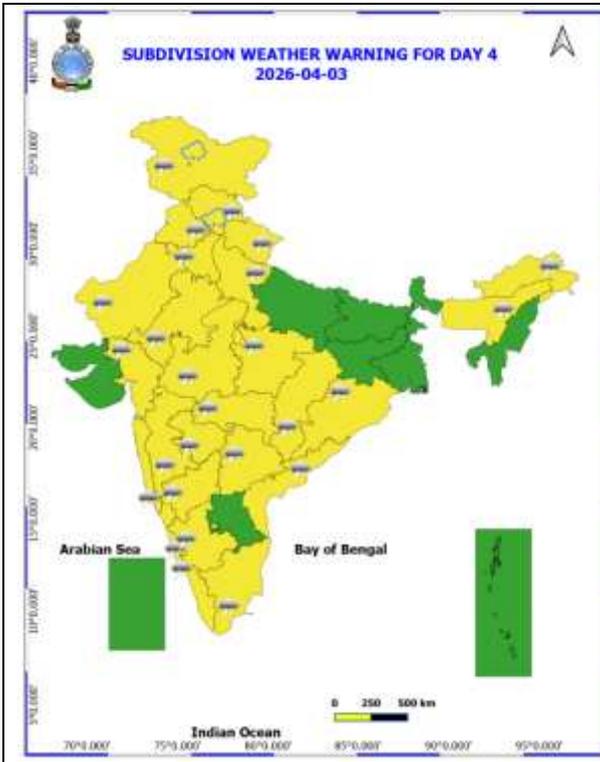
- पश्चिम मध्य प्रदेश: होशंगाबाद 63, भोपाल 54, सीहोर 52, अशोकनगर 48, ग्वालियर 46, गुना 41, शिपुरी, विदिशा 39, बैतूल, आगर 37, मुरैना 35, इंदौर 33, राजगढ़ 31, उज्जैन 30;
- हिमाचल प्रदेश: सेओबाग 61, ताबो 46;
- गांगेय पश्चिम बंगाल: दुर्गापुर 57; अमृता 52; बैरकपुर, दमदम 48; अलीपुर 46; निमपिथ 43; उलुबेरिया 41;
- तमिलनाडु: नाथम_इसरो (डिंडीगुल) 56;
- छत्तीसगढ़: कोरबा 54;
- ओडिशा: गुनुपुर 52;
- पश्चिमी उत्तर प्रदेश: गौतमबुद्धनगर और संभल में 50-50, आगरा और बरेली में 46-46, कासगंज में 44, इटावा और चित्रकूट में 43-43, मेरठ और आगरा में 39-39, सरसावा में 31;
- हरियाणा: पानीपत 48; करनाल 43; जिंद और पलवल 37; भिवानी 35;
- पूर्वी मध्य प्रदेश: कटनी 48, सागर 44, सीधी 41;
- उत्तराखंड: रानीचौरी, जौलीग्रांट 39, मुक्तेश्वर 35, चंपावत 33, मटेला 31, चमोली, रुड़की 30;
- पंजाब: पठानकोट 37; मोहाली 35;
- पूर्वी उत्तर प्रदेश: कानपुर 37;
- तटीय महाराष्ट्र: कर्जत (रायगढ़) 37, अलीबाग (रायगढ़) 35, देवगढ़ (सिंधुदुर्ग) 35;
- सौराष्ट्र एवं कच्छ: खावड़ा (कच्छ) 33

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	31- Mar	1- Apr	2- Apr	3- Apr	4- Apr	5- Apr	6- Apr
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
2	ARUNACHAL PRADESH	FWS	W3	W3	FWS	FWS	W3	W3
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	FWS	FWS	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	W3	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	FWS
6	GANGETIC WEST BENGAL	W3	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	SCT
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
9	BIHAR	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL	SCT
10	EAST UTTAR PRADESH	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	ISOL	DRY	DRY	ISOL	SCT	ISOL	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT	SCT
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	ISOL	ISOL	DRY	SCT	SCT	ISOL	ISOL
14	PUNJAB	ISOL	ISOL	DRY	SCT	SCT	ISOL	ISOL
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	FWS	FWS	SCT	SCT
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	SCT	ISOL	ISOL	FWS	SCT	ISOL	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	ISOL
18	EAST RAJASTHAN	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
19	WEST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL
20	EAST MADHYA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL
21	GUJRAT REGION	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	ISOL	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	ISOL	ISOL	SCT	SCT	ISOL	ISOL	ISOL
27	CHHATTISGARH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	SCT	ISOL	ISOL	ISOL	SCT	SCT	SCT
36	LAKSHADWEEP	SCT	SCT	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY

s

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

31 मार्च से 03 अप्रैल 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

पिछला मौसम:

पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में न्यूनतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है, जबकि अधिकतम तापमान में 1-2°C की बढ़ोतरी हुई है। पिछले 24 घंटों के दौरान दिल्ली में अधिकतम तापमान 34-36°C की सीमा में और न्यूनतम तापमान क्रमशः 18-20°C की सीमा में रहा। न्यूनतम तापमान कुछ स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के शेष हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। अधिकतम तापमान कई स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) और दिल्ली के शेष हिस्सों में सामान्य (-1.5°C से 1.5°C) रहा। आसमान आमतौर पर बादलों से घिरा रहा। पिछले 24 घंटों के दौरान दोपहर में गरज/बिजली कड़कने और तेज़ सतही हवाओं (गति 30-40 किमी प्रति घंटा, झोंकों के साथ 50 किमी प्रति घंटा तक) के साथ बहुत हल्की से हल्की बारिश का एक दौर चला। सुबह के समय 05 किमी प्रति घंटा से कम गति वाली शांत सतही हवाएं चलने की संभावना है, जो अलग-अलग दिशाओं से आएंगी; आज सुबह भी इस क्षेत्र में ऐसी ही हवाएं चली थीं।

मौसम पूर्वानुमान:

•**31.03.2026:** आसमान आंशिक रूप से बादलों से घिरा रहेगा, जो बाद में आमतौर पर बादलों से घिरा हो जाएगा। दोपहर/शाम के दौरान गरज/बिजली कड़कने और तेज़ सतही हवाओं (गति 20-30 किमी प्रति घंटा, झोंकों के साथ 40 किमी प्रति घंटा तक) के साथ बहुत हल्की बारिश का एक दौर चलने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 32°C से 34°C की सीमा में रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। मुख्य सतही हवा दक्षिण-पश्चिम दिशा से चलने की संभावना है, जिसकी गति दोपहर के समय 15 किमी प्रति घंटा तक पहुँच सकती है। शाम और रात के दौरान हवा की गति धीरे-धीरे कम हो जाएगी और दक्षिण-पूर्व दिशा से चलते हुए 10 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी।

•**01.04.2026:** आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 33°C से 35°C और 17°C से 19°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली भर में न्यूनतम और अधिकतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेंगे। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा पूर्वी दिशा से होने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 10 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 kmph तक बनी रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति दक्षिण-पूर्व दिशा से 10 kmph से कम रहेगी।

•**02.04.2026:** आसमान आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 35°C से 37°C और 19°C से 21°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.5 से 3.0°C) रहेगा, और अधिकांश स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य के करीब (-1.5°C से 1.5°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर-पूर्वी दिशा से होने की संभावना है, जिसकी गति सुबह के समय 10 kmph तक पहुँच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति पूर्वी दिशा से 10 kmph तक समान बनी रहेगी। शाम और रात के समय हवा की गति उत्तर-पश्चिमी दिशा से 10 kmph से कम रहेगी।

•**03.04.2026:** आसमान आमतौर पर बादल छाए रहेंगे। दोपहर/शाम के समय गरज/बिजली कड़कने और सतह पर तेज़ हवाओं (गति 20-30 kmph, झोंकों के साथ 40 kmph तक) के साथ बहुत हल्की बारिश का एक दौर आने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 34°C से 36°C और 20°C से 22°C के बीच रहने की संभावना है। ज़्यादातर जगहों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से ज़्यादा (1.5 से 3.0°C) रहेगा, और पूरे दिल्ली में अधिकतम तापमान भी सामान्य से ज़्यादा (1.5 से 3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली मुख्य हवा उत्तर दिशा से आने की संभावना है; सुबह के समय हवा शांत रहेगी, और फिर इसकी गति बढ़कर 05 kmph तक पहुँच जाएगी। दोपहर में हवा की गति बढ़कर दक्षिण-पश्चिम दिशा से 10 kmph तक हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति और बढ़ जाएगी, और पूर्व दिशा से 20 kmph तक पहुँच जाएगी।

छिटपुट आंधी-तूफान, बिजली गिरने/तेज हवाओं और ओलावृष्टि के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय

- 31 मार्च को ओडिशा, गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल और झारखंड में; छत्तीसगढ़, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में 31 मार्च से 2 अप्रैल के दौरान; तेलंगाना में 31 मार्च और 1 अप्रैल को; विदर्भ में 1 और 2 अप्रैल को; जम्मू-कश्मीर में 3 अप्रैल को; हिमाचल प्रदेश में 3 और 4 अप्रैल को छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।
- 31 मार्च को ओडिशा और गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल में; मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में 31 मार्च से 4 अप्रैल के दौरान; छत्तीसगढ़ में 31 मार्च से 2 अप्रैल के दौरान और विदर्भ में 1 और 2 अप्रैल को गरज के साथ तेज हवाएं (हवा की गति 50-60 किमी प्रति घंटा और 70 किमी प्रति घंटा तक के झोंके) चलने की संभावना है।

संभावित प्रभाव:

- पेड़ों की शाखाएँ टूटना, सड़क किनारे लगे बड़े पेड़ उखड़ना। पेड़ों से बड़ी-बड़ी सूखी टहनियाँ गिरना। खड़ी फसलों को नुकसान।
- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- तेज हवा/ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।
- ढीली वस्तुएँ उड़ सकती हैं।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, केरल और माहे, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 31 मार्च को, असम और मेघालय में 31 मार्च और 1 अप्रैल को, और अरुणाचल प्रदेश में 1, 2, 5 और 6 अप्रैल को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- निचले इलाकों और नदी तटों के कई हिस्सों में जलभराव/बाढ़।
- नगरपालिका सेवाओं (पानी, बिजली आदि) में स्थानीय और अल्पकालिक व्यवधान।
- यातायात प्रवाह में प्रमुख व्यवधान। प्रमुख सड़कें/स्थानीय ट्रेनें प्रभावित।
- बहुत पुरानी इमारतों और अनुरक्षित न की गई संरचनाओं के लिए खतरा, पेड़ों के गिरने की संभावना।

- निचले जल पुलों को पार करने वाली सड़कों का बंद होना।

सुझाई गई कार्रवाई:

- यातायात को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जाए।
- प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को अपनी आवाजाही सीमित करने की सलाह दी जाती है।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- ओडिशा, झारखंड, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा, विदर्भ, छत्तीसगढ़ और तेलंगाना में, फलों के बगीचों और सब्जियों के पौधों को क्षति से बचाने के लिए हेल नेट या हेल कैप का उपयोग करें।
- परिपक्व फसलों और फलों की कटाई तथा तुड़ाई अविलंब करें और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित करें।
- जम्मू और कश्मीर में, परिपक्व सरसों की कटाई करें और कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, उचित जल निकासी चैनल बनाए रखें और धान, मक्का, अन्य खड़ी फसलों, सब्जियों और फलों के बागों के खेतों से अतिरिक्त पानी निकाल दें। कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। कद्दूवर्गीय पौधों और डल्ले खोरसानी की नर्सरी को पॉलीथीन शीट या एगो-नेट से ढक दें।
- अरुणाचल प्रदेश में पत्ता गोभी, मटर, सरसों और देर से पकने वाली धान की किस्मों की कटाई करें तथा आलू की खुदाई करें। कटी हुई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। धान, मक्का, अन्य खड़ी फसलों, सब्जियों और बागानों के खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखें।
- असम में खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल निकाल दें।
- मेघालय में गर्मी के मौसम में उगाई जाने वाली सब्जी-वर्गीय फसलों में उचित जल निकासी सुनिश्चित करें। बागवानी फसलों को सहारा (स्टेकिंग और प्रॉपिंग) दें और नन्हे पौधों को भारी वर्षा से बचाएं। बगीचे की मटर की तोड़ी गई फलियों को तुरंत सुरक्षित स्थान पर रखें।
- त्रिपुरा में, कम ऊंचाई वाले क्षेत्रों में जलभराव को रोकने हेतु जल निकासी का उचित प्रबंध करें।
- केरल में, खड़ी फसलों के खेतों और बागों से अतिरिक्त पानी निकाल दें।

तूफान / तेज़ हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर ले जाएं या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। कटी हुई फसलों को ठीक से बांधकर ढक दें ताकि तेज हवाओं के कारण उनके खिसकने का खतरा कम हो सके।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन

- भारी वर्षा / ओलावृष्टि के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें। चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

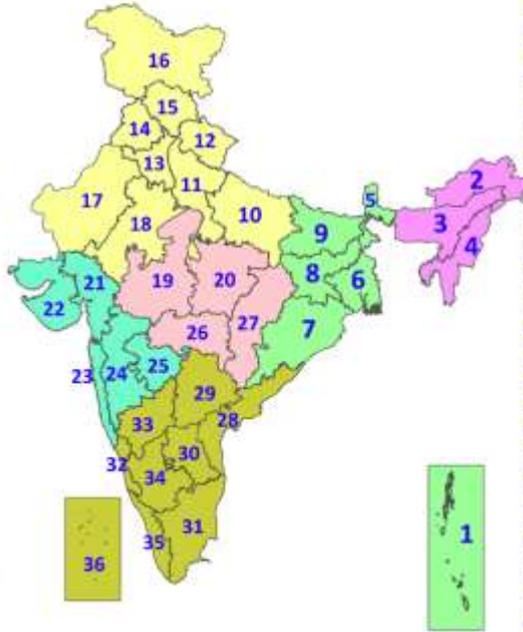
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ़्फ़राबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

(a) Based on Departure from normal

Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .

Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$

(b). Based on Actual maximum temperature

Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.

Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$

(c). Criteria for heat wave for coastal stations

When maximum temperature departure is $>4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C

Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .

Severe Warm Night: When minimum temperature departure $>6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.

(a). Based on departure

Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)

Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$

Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$

(c) For Coastal Stations

When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions

Based on departure

Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .

Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$

Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres

Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres

Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground

Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.

Moderate: Wind speed 52-61 kmph

Severe: Wind speed 62-87 kmph

Very Severe: Wind speed >87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area

Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre

High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre

Phenomenal: Wind speed >117 kmph (>63 knots) & Wave height >14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)

Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)

Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)

Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)

Super Cyclone Storm: Wind speed >220 kmph (>119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)